Literacy for a Billion

Movie: Mehboob Ki Mehandi
Year: 1971

Song: Mere Deewanepan Ki
Lyricist: Anand Bakshi

मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
मैंने जाने क्या सुन लिया
तुने तो कुछ कहा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
मैं ये समझा मेरे दिल की कोई
हसरत निकल गई
तूने देखा मुझे ऐसे
कि तबीयत मचल गई
वर्ना तेरे सर की कसम
आदमी मैं बुरा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
मेरे दीवानेपन की हाय
बेअदब हूँ मैं दीवाना
किस कदर तू ख़फा हुई
बेअदब हूँ मैं दीवाना

किस कदर तू ख़फा हुई
छू लिया क्यों बदन तेरा
तौबा कैसी खता हुई
सारी दुनिया में कोई
मेरे लायक सज़ा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
चाँदनी रात में जैसे
रूखे गुल पे किरन पड़ी
चाँदनी रात में जैसे
रूखे गुल पे किरन पड़ी
बेसबब रूठ कर तेरे माथे पे
यूँ शिकन पड़ी
मेरे महबूब ये तेरी बेरूखी है
अदा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं
मेरे दीवानेपन की भी दवा नहीं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.